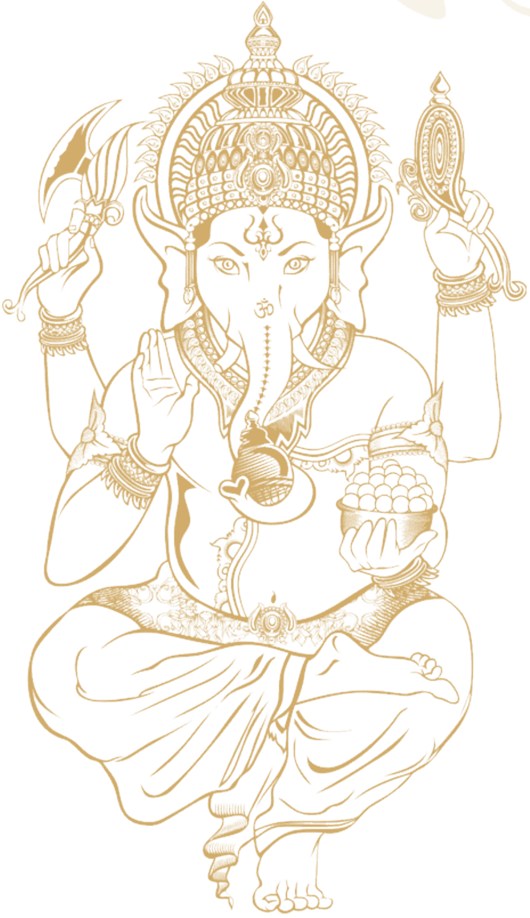

Kk

13 Oct 2025

04:25 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121454903

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12-13/10/2025**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**04:25:00 घंटे**
इष्ट	55:11:35 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:03:52 घंटे
वेलान्तर	00:13:32 घंटे
साम्पातिक काल	05:30:55 घंटे
सूर्योदय	06:20:22 घंटे
सूर्यास्त	17:54:30 घंटे
दिनमान	11:34:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:38:59 कन्या
लग्न के अंश	29:22:46 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	परिघ
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ङ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	29:22:46	317:47:43	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	---
सूर्य			कन्या	25:38:59	00:59:23	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			मिथु	15:21:07	13:57:26	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			तुला	19:51:32	00:41:35	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
बुध			तुला	14:57:39	01:25:23	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	29:31:38	00:05:30	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	04:37:29	01:14:24	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	नीच राशि
शनि	व		मीन	02:40:34	00:04:05	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	23:41:39	00:01:12	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	23:41:39	00:01:12	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	06:42:01	00:01:42	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	06:00:52	00:01:33	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:08:57	00:00:02	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			वृष	29:06:29	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:05

लग्न-चलित

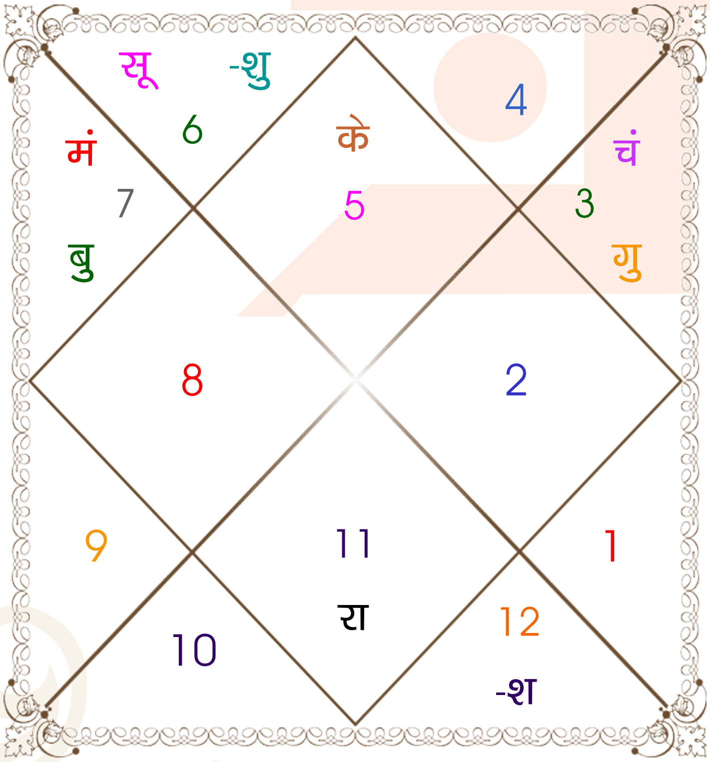

चन्द्र कुंडली

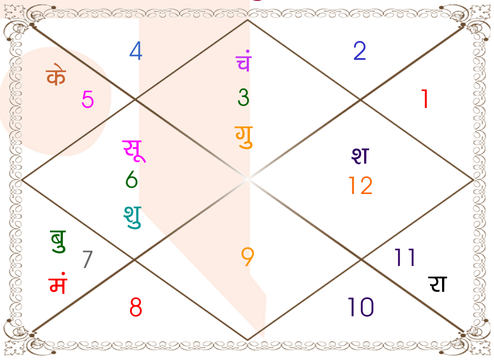

नवमांश कुंडली

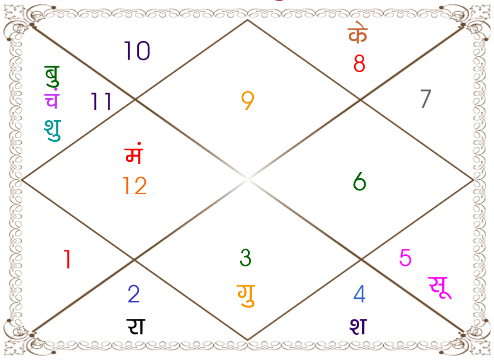

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 6 वर्ष 3 मास 9 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/10/2025		22/01/2032		22/01/2048		21/01/2067		22/01/2084	
22/01/2032		22/01/2048		21/01/2067		22/01/2084		21/01/2091	
	00/00/0000	गुरु	11/03/2034	शनि	24/01/2051	बुध	19/06/2069	केतु	19/06/2084
	00/00/0000	शनि	21/09/2036	बुध	03/10/2053	केतु	16/06/2070	शुक्र	19/08/2085
	00/00/0000	बुध	28/12/2038	केतु	12/11/2054	शुक्र	16/04/2073	सूर्य	25/12/2085
	00/00/0000	केतु	04/12/2039	शुक्र	12/01/2058	सूर्य	21/02/2074	चंद्र	26/07/2086
	13/10/2025	शुक्र	04/08/2042	सूर्य	25/12/2058	चंद्र	23/07/2075	मंगल	22/12/2086
शुक्र	09/08/2028	सूर्य	23/05/2043	चंद्र	25/07/2060	मंगल	19/07/2076	राहु	09/01/2088
सूर्य	04/07/2029	चंद्र	21/09/2044	मंगल	03/09/2061	राहु	06/02/2079	गुरु	15/12/2088
चंद्र	03/01/2031	मंगल	28/08/2045	राहु	10/07/2064	गुरु	13/05/2081	शनि	24/01/2090
मंगल	22/01/2032	राहु	22/01/2048	गुरु	21/01/2067	शनि	22/01/2084	बुध	21/01/2091

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
21/01/2091		22/01/2111		22/01/2117		22/01/2127		22/01/2134	
22/01/2111		22/01/2117		22/01/2127		22/01/2134		00/00/0000	
शुक्र	23/05/2094	सूर्य	12/05/2111	चंद्र	22/11/2117	मंगल	20/06/2127	राहु	04/10/2136
सूर्य	23/05/2095	चंद्र	11/11/2111	मंगल	23/06/2118	राहु	08/07/2128	गुरु	28/02/2139
चंद्र	21/01/2097	मंगल	17/03/2112	राहु	23/12/2119	गुरु	14/06/2129	शनि	04/01/2142
मंगल	23/03/2098	राहु	09/02/2113	गुरु	23/04/2121	शनि	24/07/2130	बुध	23/07/2144
राहु	24/03/2101	गुरु	28/11/2113	शनि	22/11/2122	बुध	21/07/2131	केतु	11/08/2145
गुरु	23/11/2103	शनि	10/11/2114	बुध	23/04/2124	केतु	17/12/2131	शुक्र	14/10/2145
शनि	22/01/2107	बुध	17/09/2115	केतु	22/11/2124	शुक्र	15/02/2133		00/00/0000
बुध	22/11/2109	केतु	23/01/2116	शुक्र	24/07/2126	सूर्य	23/06/2133		00/00/0000
केतु	22/01/2111	शुक्र	22/01/2117	सूर्य	22/01/2127	चंद्र	22/01/2134		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 6 वर्ष 3 मा 28 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।